दिनांक- ६ अप्रैल २०२१

अंत: महाविद्यालयी नवांगतुक पारम्परिक वाद-विवाद प्रतियोगिता

### विषय- सदन का मानना है की भारत में आरक्षण केवल आर्थिक आधार पर ही होना चाहिए।











आज की प्रतियोगिता में निर्णायकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका डॉ. देव कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, राजधानी कॉलेज) व डॉ. विजय कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज) ने निभाई।

प्रतिभागियों में बड़े तर्कसंगत तरीके से विषय से संबंधित तथ्यों को सभा के समक्ष रखा। निर्णायक मंडल ने विषय पर तथा सभी प्रतिभागियों द्वारा रखे गए तर्कों- वितर्कों पर अपने विचार रखकर सभा को समृद्ध किया। प्रतियोगिता में कुल 44 दलों द्वारा गूगल फॉर्म माध्यम द्वारा पंजीकरण किया गया व चयनित 14 दलों ने सफलतापूर्वक आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया।

प्रधानाचार्या प्रो. स्वाति पाल ने अपने वक्तव्य में प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करने के साथ साथ अभिव्यक्ति द्वारा उठाए गए विषय की सराहना की और विषय पर अपने विचार रखते हुए पिछड़ने वर्ग के उत्थान, उत्थान के लिए अपनाई गई नीतियों के समन्वय, व नीतियों के प्रभावों के निरीक्षण पर बल दिया। डॉ. देव कुमार ने अपने वक्तव्य में विषय को स्पष्ट करते हुए तकनीकी उलझनों, गरीबी के उन्मूलन व भेदभाव के उन्मूलन में आने वाली जटिलताओं पर प्रकाश डाला। डॉ. विजय कुमार ने अपने वक्तव्य में जातिवाद के ध्रुवीकरण की समस्या, आरक्षण की आवश्यकता व समय के साथ आरक्षण के प्रकारों में परिवर्तन तथा जाति व्यवस्था के अंतर्गत विवाह बंधनों आदि पर प्रकाश डाला। डॉ. रजनी अनुरागी ने कहा कि जातियों में विभक्त समाज के लिए आरक्षण एक एफर्मेटिव एक्शन है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। डॉ. सुधा उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि आरक्षण का फायदा विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नहीं उठाया जाना चाहिए। प्रतियोगिता सामयिक व सार्थक रही।

आधुनिक दौर में तकनीकी उपकरणों की सहायता से वर्चुअली इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार: गीतांजलि व अभिषेक (हिन्दू कॉलेज), द्वितीय पुरस्कार: अंशुल व देवांशू (शहीद भगत सिंह कॉलेज), तृतीय पुरस्कार: स्वयं व शिव (किरोड़ी मल कॉलेज), ने प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता का पुरस्कार: अक्षय आनंद (सत्यवती कॉलेज) व शांभवी शुक्ला (जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज) ने प्राप्त किया। मंच संचालन अभिव्यक्ति की अध्यक्ष ज्योत्स्ना, उपाध्यक्ष दिव्या गर्ग और महासचिव शीतल गोठी ने किया।

## दिनांक- 10 फरवरी 2021 पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता

# विषय- भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए 'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रणाली बेहतर विकल्प है।







अभिव्यक्ति : वाद-विवाद समिति द्वारा वार्षिक उत्सव सिंफनी के अंतर्गत 2021 में अंतर वाद-विवाद प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

आज की प्रतियोगिता में निर्णायकों की महती भूमिका डॉ. राजकुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, दयाल सिंह कॉलेज) डॉ. हेमलता (असिस्टेंट प्रोफेसर, रामानुजन कॉलेज) डॉ. दिनेश अहिरराव ( असिस्टेंट प्रोफेसर, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज) ने निभाई।

प्रतियोगिता में कुल 71 टीम का गूगल फॉर्म माध्यम द्वारा पंजीकरण किया गया व चयनित 17 टीमों ने सफलतापूर्वक आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया।प्रतिभागियों ने तर्कपूर्ण तरीके से विषय से संबंधित तथ्यों को सभा के समक्ष रखा। डॉ. राजकुमार ने लोकतांत्रिक चुनाव में भागीदारी पर जो़र दिया, राष्ट्रीय स्तर पर हिस्सेदारी को महत्व दिया और अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा, संसाधनों पर प्रकाश डाला। डॉ. हेमलता ने अपने वक्तव्य में लोकतंत्र को जीवित रहने, स्वतंत्रता व अस्मिता को बचाने की बात कही व सचेत रहने की बात पर जो़र दिया। डॉ. दिनेश अहिरराव ने अपने वक्तव्य में कहा कि चुनावों को केवल खर्चों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए बल्कि चुनाव द्वारा उभरे लोकतांत्रिक भाव को सकारात्मक पहलू से देखना चाहिए। चुनाव को केवल नकारात्मक दृष्टि से नहीं तोला जाना चाहिए, बल्कि चुनाव को एक अवसर और उत्सव समझना चाहिए। डॉ. सुधा उपाध्याय ने कहा कि लोकल इश्यू और लोकल प्रेसेंटेशन का महत्व आप सबने उठाया ये आशान्वित करता है। स्थानीय प्रतिनिधि और उनसे जुड़े मुद्दे भी ज़रूरी हैं, नहीं तो केंद्र का वर्चस्व बढ़ेगा लोक और लोकतंत्र की मज़बूती पर युवा पीढ़ी केवल जोश से नहीं होश से भी सोचती है। । डॉ. रजनी अनुरागी ने जनता की आवाज़ को लोकतंत्र की मज़बूती बताया, चुनाव वह माध्यम है जिनके द्वारा जनता अपनी आवाज़, मुद्दे रखते हैं। लोकतंत्र के

सुदृढ़ीकरण के लिए मजबूत जनता का होना आवश्यक है व शुभकामनाओं के साथ सभी प्रतिभागियों को सदैव आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

आधुनिक दौर में तकनीकी उपकरणों की सहायता से वर्चुअली इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

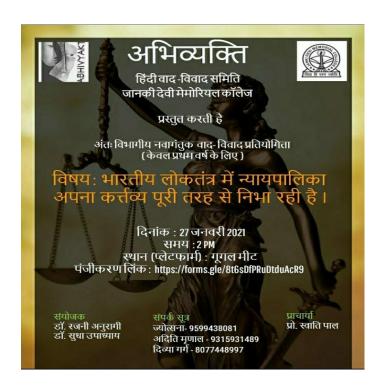
आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार :

सत्यम दुबे और शुभम(आर्यभट्ट कॉलेज) द्वितीय पुरस्कार : अन्वेषा और आकांक्षा (हंसराज कॉलेज) तृतीय पुरस्कार : शिवम राय और आदित्य मिश्रा(मोतीलाल नेहरू कॉलेज) ने प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता का पुरस्कार : शिवम राय (मोतीलाल नेहरू कॉलेज)ने प्राप्त किया। आयोजित प्रतियोगिता में अभिव्यक्ति के सभी सदस्यों के साथ कुल 77 छात्राओं और 17 टीमों ने हिस्सा लिया। मंच संचालन अभिव्यक्ति की अध्यक्ष ज्योत्स्ना, उपाध्यक्ष दिव्या गर्ग और महासचिव शीतल गोठी ने किया।

#### दिनांक- २७ जनवरी २०२१

### अंत: विभागीय नवांगतुक पारम्परिक वाद विवाद प्रतियोगीता

## विषय- भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका अपना कर्तव्य पूरी तरह से निभा रही है।





अभिव्यक्ति : हिंदी वाद-विवाद समिति द्वारा नववर्ष 2021 में अंतः विभागीय नवागंतुक वाद-विवाद प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित की गई। आयोजित प्रतियोगिता का विषय : "भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका अपना कर्तव्य पूरी तरह से निभा रही है "\_ था आज कि प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका डॉ राजलक्ष्मी ( समाजशास्त्र विभाग) और डॉ खुर्शीद आलम ( इतिहास विभाग) ने निभाई। प्रथम वर्ष की छात्राओं ने बड़े दिलचस्प अंदाज और तर्कसंगत तरीके से विषय से सम्बंधित तथ्यों को सभा के समक्ष रखा। निर्णायक मण्डल ने विषय पर तथा सभी प्रतिभागियों द्वारा रखे गए तर्कों-वितर्कों पर अपने विचार रखकर सभा को समृद्ध किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ सुधा उपाध्याय और डॉ रजनी बाला अनुरागी ने सभी प्रतियोगिगियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए न्यायपालिका की भूमिका पर अपने वक्तव्य दिए और सभी प्रतिभागियों को सदैव आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आधुनिक दौर में तकनीकी उपकरणों की सहायता से वर्चुअली इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मंच संचालन अभिव्यक्ति की अध्यक्ष ज्योत्स्ना, उपाध्यक्ष दिव्या गर्ग और महासचिव शीतल गोठी ने किया।